

RAMSADAY COLLEGE
MODEL QUESTION PAPER FOR B.A. PART-I
2018

SANSKRIT (General): FIRST PAPER
Full Marks - 100
Course - I
Marks - 50
Unit-1
Marks - 15

1. (a) निम्नलिखित ये-कोनो तिनटी छन्देर दीपहरणसभ कफल लेख । (3×3=9)
 हनुमत्का, मासिगी, हुसिगी, वसन्तसिलकन्, शालिनी।
 (b) निम्नलिखित ये-कोनो दुट्टि पञ्चदशे पद्य-विभागेपूर्वक छन्द निर्णय कर ।
 3×2=6
 (i) इ अर्पणा मृत्युतिहिसात वार्तिकः । (ii) दुष्कर्मसक्त हाणे भवतिधार्मीम् । (iii)
 हर शिलायाजमनोहरं मयुः । (iv) आचारक्य मधुसूदिनोरी मीमांसिणोऽप्युम् ।

Unit- II
(Marks - 10)

2. (a) ये-कोनो तिनटि शब्दरूप लेख : 1×3=3
 (i) मधु in वती क्त्वयत्, (ii) डि in पुलित् द्वितीया, (iii) मी in वपुर्धी
 क्त्वयत्, (iv) मधु (कालालङ्क) in यथना बहुत्वयत्, (v) हुमन् in वृतीया क्त्वयत्,
 (vi) मुक्तिन् in वती बहुत्वयत्।
 (b) ये-कोनो तिनटि वाक्यरूप लेख : 1×3=3
 (i) √गम् in लट् 1st person plural. (ii) √मिह् in लट् 2nd person
 singular. (iii) √पु in लट् 1st person plural. (iv) डी in लट् 3rd person
 plural. (v) विद् in लट् 1st person singular. (vi) √ङ् in लट् 3rd person
 plural.
 (c) ये-कोनो छौरट्टि वाक्येर छन्द सन्शोधन कर : 1×4=4
 (i) पितृकाः विद्यायां न कायन्ति । (ii) अर्थायै यथाः विद्विष्यते भवति । (iii) इत्यन्तु
 उच्यतेः विद्युः । (iv) पथे किं करोति भवन् । (v) एता अथेन द्रजाः शान्तिः । (vi)
 महाराजः उच्यः पुराः आत्मः ।

Unit-III
(Marks - 25)

3. अत्रनिम्नलिखित मट्टिकेवाचन लघु ७ पद्यांशुंर उदाहरणेर तुलनामूलक आलोचना कर ।।
 अधरु, आसनेर अथवासनलक्ष्म मट्टिकेर नामकरण कदायथ किन अहोरात्र्या कर । 10
4. निम्नलिखित ये-कोनो एकट्टि श्लोकेर कान्ये अथवा इतराक्षीते अनुवाद
 कर । 5
- (a) मृत्युमार्गं च विद्वो अ नवीमर्ता अ
 मज्जार्थिभ्यस्तुतिना अ विभवेवु ।
 निर्मुञ्जमानधुमनादपिर्मलम्
 मीमांसिभ्याम्बरुलम् विभयमानम् ॥
- (b) कन्यायैः कन्यायैर्ना मुच्यते ज्ञानो यथाविद्विष्यत्
 वीर्यं यदित्यन्तु किमिच्छति पुनर्द्वयं पुनोपदेते ।
 आत्मोपदेतेविच्छरतिर मृगया धर्माधरमतिना
 यथायैर् समीचिर्ना अहेतु नत् कन्याया किं वीर्यम् ॥
5. ये-कोनो एकट्टि सप्रथम व्याख्या कर । 6
- (a) कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
 यज्ञानेच्छुक्तिवि सञ्चरति मानवमङ्गलि ।।
- (b) ऋद्धी बहुनामी वा एवात्स्यापुन जायते
 मृत्युवासासिलावित्वाद्येवै मी महती कर्त्या ।।
6. नीचेर ये-कोनो दुट्टि श्लोकेर उक्ति मत्त : 2×2=4
- (a) ईश्वरनेर वीणार नाम की ? किनि कितावे सेटि बिबेरे पेरोखिलेन ?
 (b) ईश्वरनेर येवैया की छिल ?
 (c) आप-रहित दुईट्टि एकाक नाटिकुतिर नाम कर ।
 (d) के काले पद्मावतीर विवाहेर माला गीथेरे आदेश करोखिलेन ?

Course - II
(Marks - 50)
Unit - I
(Marks - 10)

7. (a) শুকনাস কে ছিলেন? শুকনাসের দেওয়া উপদেশ নিজের ভাষায় লেখ। 10
অথবা, (b) নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদগুলির মধ্যে যে-কোনো দুটির বাংলায় অথবা
ইংরেজীতে অনুবাদ কর : 5×2=10

- (i) নিত্যমাহাত্ম্যার্থনির্ধৃতকর ন তপামনি ইত্ৰলাভ্যঃ।
= তুতমনি ত্ৰিতানীন্, = মানমনি মাম্যন্।
ন অর্থযন্তার্থনীচান্, নাকিধাততনমিরাহনকান্।
নাম্মুগিত্তনিন তুলন্।
- (ii) কন্যা ইকলাজামীযদাতারগোযমতুমুন-বামাকনৌবহনকর
এন প্রতিহামতমুনরত্ৰমিরাহনকাত্ৰুগুনান্ সপ্যামনি।
স্বনালিত্তুকীজলৌকন্থ ফলতরামে মতুলি।
- (iii) ত্ৰানিরত্ৰাশম্বদনুত্ৰে যদামনি, তুতিযোননুত্ৰযত্ৰে সত্যমনি, সপ্যামনি
সত্রিধাগমন্ঠে তুতিলি, জাতামনি সত্ৰযান্ মতুলি, সত্ৰমনি যাত্ৰকম
কলমনি।

UNIT - II
(Marks - 20)

8. (a) নীচের রেখাঙ্কিত যে-কোনও দুটি পদের কারক ও বিভক্তি নির্ণয় কর : 2×2=4

- (i) স্নাতকিন স্বপ্নঃ দৃশ্যতে।
(ii) আসন্নাত্ দৃশ্যতি গুরুঃ।
(iii) মৌদকঃ শিহ্নয়ে গৈচরী।
(iv) কেশু স্বমরী হন্তি।
(v) মাসীন ব্যাকরণাম্ আখ্যতিম্।

(b) নীচের যে-কোনও দুটির কারক প্রকাশ কর : 2×2=4

- (i) ব্যাকরণে ত্ৰিতানীন্।
(ii) কন্যায় পত্নী।
(iii) গায়েই পত্নী।
(iv) স্নাতকিনে তুলি।

(c) নীচের যে-কোনও চারটি বাস্তবের অর্থকি সংশোধন কর : 1×4=4

- (i) গৃহে অর্থাৎ জমনি ত্ৰিতানীন্।
(ii) গায়েই এন বীতি।
(iii) ন ত্ৰিতানী ত্ৰি তুলি।
(iv) তিনা মতে ত্ৰিতানীঃ মতুলি।
(v) গুরুম নিজন্য বৃহ।
(vi) কেশু স্বমরী মন বীতুলি।

(d) নিম্নলিখিত যে-কোনো চারটির সন্ধি কর : 1×4=4

ভাস্ + ইমাঃ পুনী + ইমী : যদ্বি + জবিঃ কল্ + শ্ৰুভাঃ নিঃ + যবঃ মন্য
+ ইমাঃ স্বনী + জলমিতী।

(e) নিম্নলিখিত যে-কোনো চারটির সন্ধিবিচ্ছেদ কর : 1×4=4

ব্রহ্মপতিঃ, পরীক্ষা, অম্বিজিলাশ্বঃ, আধির্ভায়ঃ, সুবঘ্নোক্ত, রত্নচুড়া, সজ্জ্বলী।

Unit - III
Marks - 20

9. নীচের যে-কোনো একটি অনুচ্ছেদ সংস্কৃত অনুবাদ কর : 10

- (a) মানুষ নিজের ভাগ্যনির্মাণে। সুতরাং অসম হয়ে না থেকে জীবনের লক্ষ্যে
পৌঁছানোর জন্য চেষ্টা কর। প্রতিটি মুহূর্তকে ফলবান কর। তবে হোমের সাফল্য
আসবে। হোমকল মহাপুরুষ হিসেবে নিজেরের কথা সনাক্তের মঙ্গলের জন্য কঠোর
পরিশ্রম করেছেন, তাঁদের চরিত্র অনুসরণ করবে।
- (b) দিশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর মেদিনীপুর জেলার বীতসিংহগানে এক দরিদ্র ব্রাহ্মণ
পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। কিন্তু বালাকাল থেকেই তিনি ছিলেন মেধারী ও কষ্টদহিক্।
তাঁর পিতা শিক্ষালয়ের জন্য তাঁকে কলিকাতায় নিয়ে আসেন। অল্প বয়সের মধ্যেই
তিনি সাফল্যের সঙ্গে শিক্ষা সমাপ্ত করেন।

10. नीचेर अनुच्छेदटी पढ़ एवंग देवनागरी हरके संबद्ध भाषाए प्रश्नोन्निर
उत्तर माओ : 10

अलि भागीरथीरि मुलकुलवन्नि पवती महान् पर्वतीवृक्षः। तस्य कोटे दिवदुर्गिपकाद्
गतिरवज्जनयती जयध्वजवामा पुत्रः। प्रति जयति। अथ कृत्या तज्जीवनाय लक्ष्मणकिलः
पक्षिणः स्वाहायान् विच्छिन्न् किञ्चिद्द्रव्यम् ययति। तेनामी जीवति। भावकानां रक्षणं
करोति। अथ जहायिन् दीर्घकर्मवामा मार्जारः पक्षिणाञ्चकान् पशयितुं तरागतः।
सतस्तथायान् द्रष्टुं पक्षिणाञ्चकैर्भयति। कोलाहलं कृतः।

- (i) कुत्र आसीत् महान् पर्वतीवृक्षः? 2
(ii) तस्य कोटे कः प्रति जयति? किं तस्य नाम? 1+1
(iii) केन प्रकारेण पुत्रः जीवति? 2
(iv) मार्जारस्य नाम किम्? स कथम् आगतः? 1+1
(v) तं द्रष्टुं पक्षिणाञ्चकैः किं कृतम्? 2